गरीबी (Poverty)

गरीबी

गरीबी वह सामाजिक स्थिति होती है, जिसमें सम्बधित व्यक्ति अपनी मूलभूत/आधारभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पाता है।

गरीबी के प्रकार:-

1. निरपेक्ष गरीबी (Absolute Poverty)
2. सापेक्षिक गरीबी (Relative Poverty)

निरपेक्ष गरीबी (Absolute Poverty):-

निपेक्ष गरीबी का आकलन स्वतंत्र रूप से किया जाता है। इसमें व्यक्ति की बुनियादी आवश्यकताओं जैसे- भोजन, शुद्धजल आवास, कपड़ा आदि के अभाव में रहता है। इसको हेड कांउट विधि भी कहा जाता है।

सेन का गुणांक मापन के लिए

सापेक्ष गरीबी (Relative Poverty):–

समाज के औसत व्यक्ति की तुलना में किसी व्यक्ति के उपभोग, आय और संपत्ति का अभाव जिस कारण जीवन स्तर भी निम्न हो जाता है।

मापन के लिए लॉरेंज वक्र और गिनी गुणांक का प्रयोग

नोट:-

- निरपेक्ष गरीबी विकासशील देशों में पाई जाती है।
- गरीबी अवसरों और विकल्पों से वंचित रहना है।

♦ **गरीबी मापन :– (N.S.S.O के द्वारा)**

नोट:-

- N.S.S.O. (National Sample Survey Office)

भारत में गरीबी का मापन उपभोग/खर्च विधि के द्वारा किया जाता है।

♦ **मानवीय गरीबी (Human Poverty):- यदि व्यक्ति को शिक्षा स्वास्थ्य आदि की सुविधा उपलब्ध नहीं हो तो वह मानवीय गरीबी कहलाएगी।**

♦ **लॉरेन्ज वक्र (Lorenz Curve) - 1905**

→ By: मैक्स ओ लारेन्ज

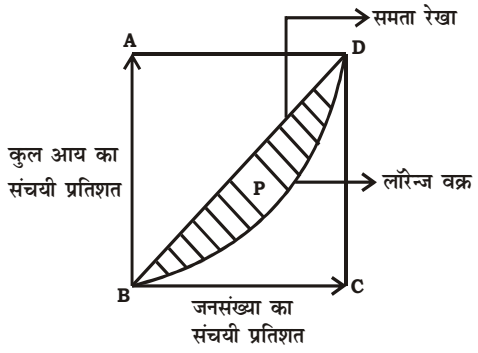

लॉरेन्ज रेखा समता रेखा से जितनी दूर होगी विषमता (Inequality) उतनी होती है?

KD LIVE

Gini Coefficient

- गिनी = $\frac{\text{समता रेखा और लॉरेन्ज रेखा के मध्य क्षेत्रफल}}{\text{पूर्ण रेखा के मध्य का कुल क्षेत्रफल}}$
- गिनी गुणांक राष्ट्रीय आय का गणीतीय प्रस्तुत करता है।
- 1912 में कोरेडो गिनी (Carrado Gini) ने यह गुणांक दिया।

यदि G. C. = 0 पूर्ण समानता

G. C. = 1 पूर्ण असमानता

1. गिनि गुणांक का मान 0 से 1 तक होता है।
2. गिनी गुणांक में 100 से गुणा कर दे तो गिनी सुचकांक प्राप्त हो जाता है।

G. C. = दुनिया का औसत = 0.66

भारत का औसत मान = 0.37-0.42

भारत को गरीबी रेखा:-

प्रथम प्रयास योजना आयोग के द्वारा (डी. आर. गडिगिल कमेटी के) किया गया था। 1962 में, जिसमें, प्रत्येक व्यक्ति 20 रुपये उपयोग व्यय को गरीबी रेखा मानने का सुझाव दिया गया था।

1. **नलीकांत डाडेकर एवं वी.एस. रथ फार्मूला-**

- समय- 1971 (Dandekar and Rath Committee)

आधार:- उपभोग व्यय (Consumption-Expend)

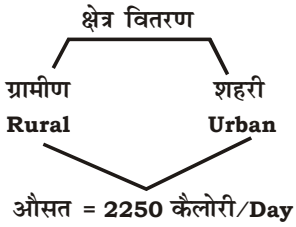

2. **वाई. के. अलघ कमेटी (Alagh Committee)**

समय: 1979

- 5वीं पंचवर्षीय योजना
- गरीबी हटाओं इंदिरा गाँधी जी का नारा

5th पंचवर्षीय योजना

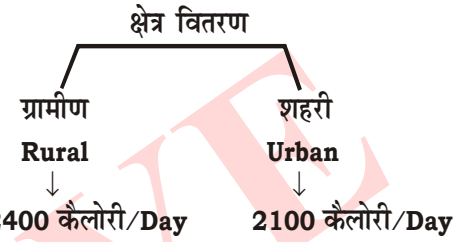

3. **लकडवाला कमेटी (1993):-**

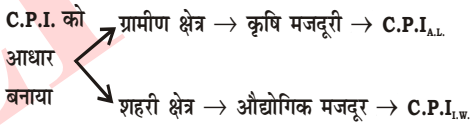

4. **सुरेश तेंदुलकर कमेटी (2008 गठन, 2009 में रिपोर्ट दी)**

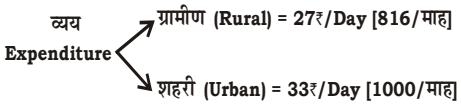

- Below poverty line (BPL)
- इस कमेटी के अनुसार 2011-12 में भारत में 21.9% गरीबी रही। 2004-05 के आधार वर्ष पर 37.7% गरीबी थी।
- इस कमेटी ने Basket of Minimum List को शामिल किया और शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन को जोड़ा।

KD LIVE

♦ **तेंदुलकर कमेटी के अनुसार गरीबी**

→ अधिकतम गरीबी प्रतिशत = छत्तीसगढ़ (39.9%)

→ अधिकतम गरीबी (कुल संख्या) = उत्तर प्रदेश

(U.T.) न्यूनतम गरीबी प्रतिशत = अंडमान निकोबार (1%)

राज्य न्यूनतम गरीबी (%) = गोवा

♦ **सी. रंगराजन कमेटी:-**

गठन: 2012

Report: 2014- 30 जून

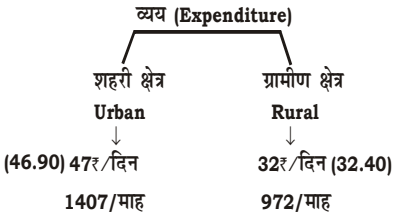

- इस कमेटी ने गरीबी को बहुआयामी माना (Multidimensional Poverty)

♦ **Word Bank** = प्रति व्यक्ति 1.5$/Day

♦ **Asian Development Bank** = प्रति व्यक्ति 2.5$/Day

रंगराजन कमेटी के अनुसार:-

→ गरीबी प्रतिशत अधिकतम = छत्तीसगढ़

→ गरीबी की संख्या अधिकतम = उत्तर प्रदेश

→ न्यूनतम गरीबी प्रतिशत (U.T.) = अंडमान निकोबार

→ न्यूनतम गरीबी प्रतिशत राज्य = गोवा

नोट:- भारत में गरीबी यापन परिवार का उपयोग व्यय/कैलोरी प्राप्ति

निरपेक्ष गरीबी मापन:

सेन का गरीबी गुणांक (Poverty Coefficient)

$w = \mu (1 - G)$

w = कल्याण

μ = प्रति व्यक्ति आय

G = आय की विषमता

Case - I $G = 1$

$w = \mu \times 0$ (कल्याण शून्य)

Case - II $G = 0$

$w = \mu (1 - 0)$

$w = m \times 1$

$w = \mu$ कल्याण अधिक है।

भारत में निपेक्ष गरीबी को लेकर नीति निर्माण किया जात है।

गरीबी के कारण:-

1. कृषि पर निर्भरता
2. रोजगार के अवसरों का कम होना
3. बुनियादी ढ़ांचा का कम होना
4. भूमि सुधार की असफलता
5. बढ़ती जनसंख्या
6. आय के कम स्रोत

''गरीबों की संख्या अधिक होने से उनको मजदूरी भी कम मिलती है। कम मजदूरी से आय भी कम हो जाती है। जिसके कारण परिवार के बच्चे श्रम कार्य में लग लाते हैं। और उनकी आय कम ही रहती है।''

गरीबी कम करने के सुझाव/उपाय:-

1. जनसंख्या नियंत्रण
2. कृषि उत्पादकता को बढ़ाना
3. तकनीकि को बढ़ावा देना
4. रोजगार के अवसर देना
5. आधारभूत संरचना को बढ़ाना
6. मूलभूत सेवाएं, शिक्षा स्वास्थ्य, पेय जल आदि को प्रदान करना।

KDLIVE